LIBRARY
Atomic Energy Central School, Kakrapar
KAPS Township, Anumala-394651

परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय, काकरापार

ग्यारहवीं – हिन्दी

वार्षिक परीक्षा 2016

समय – 3 घंटे

पूर्णांक - 90

निर्देश – सभी प्रश्नों के समुचित उत्तर दीजिए । वर्तनी की शुद्धता एवं लेख की स्वच्छता अपेक्षित है ।

खंड - (क)

प्र.1 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर तत्संबंधी प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 5X2=10

अपने नहीं अभाव मिटा पाया जीवनभर,
पर औरों के सभी अभाव मिटा सकता हूँ ।
तूफानों-भूचालों की भयप्रद छाया में,
मैं ही एक अकेला हूँ जो गा सकता हूँ ।

मेरे 'मैं' की संज्ञा भी इतनी व्यापक है,
इसमें मुझ-से अगणित प्राणी आ जाते हैं ।
मुझको अपने पर अदम्य विश्वास रहा है,
मैं खंडर को फिर से महल बना सकता हूँ ।

जब-जब भी मैंने खंडर आबाद किए हैं,
प्रलय-मेघ भूचाल देख मुझको शरमाए ।
मैं मजदूर, मुझे देवों की बस्ती से क्या,
मैंने अगणित बार धारा पर स्वर्ग बनाए ।

(क) उपर्युक्त काव्य-पंक्तियों में किसका महत्त्व प्रतिपादित किया गया है ?

(ख) स्वर्ग के प्रति मजदूर की विरक्ति का क्या कारण है ?

(ग) किस कठिन परिस्थिति में भी मजदूर ने अपनी निर्भयता प्रकट की है ?

(घ) मेरे 'मैं' की संज्ञा भी इतनी व्यापक है,
इसमें मुझ-से अगणित प्राणी आ जाते हैं ।
पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) अपनी शक्ति और क्षमता के प्रति उसने क्या कह कर अपना आत्मविश्वास प्रकट किया है ?

कृ. पृ. उ.